* B B - 7 1 2 *

BB-712

Seat No.________

M. A. (Part - I) Examination

March / April – 2014

Hindi : Paper - II

(मुख्य) (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : 3 Hours] [Total Marks : **100**

१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : ३०

(अ) कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोइ करु जेहिं तव नाव न जाई॥
बेंगि आनु जल पायँ पखारु। होत बिलंबु उतारहि पारु॥
जासु नाम सुमरित एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा॥
सोई कृपालु केवटहि निहीरा। जेहि जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।
पद नख निरखि देवसरि हरषी। सुनि प्रभु बचन मोहँ मति करषी॥
केवट राम रजायसु पावा। पानि कठवता भरि लेई आवा।
अति आनंद उमगि अनुरागा। चरन सरोज परवारन लागा॥
वरषि सुमन सुर सकल सिहाहीं। एहि सम पुन्द पुंज कोउ नाहीं॥
पद पखारि जलु पान करि आपु सहित परिवार।
पितर पारु करि प्रभुहि पुनि मुदित गयउ लइ पार॥

अथवा

(अ) नाक चढै सीबी करै, जिते छबीली छैल।
फिरि फिरि भूलि गहै एहै ज्यौ कंकरीली गैल॥

(ब) एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय।
रहिमन मुलहिं सींचिबो, फूलै फलै अधाय॥

अथवा

(ब) तलफै बिन बालम मोर जिया।
दिन नहिं चैन रात नहिं निंदिया, तलफ तलफ के भोर किया॥
तन मन मोर रहँट अस डोलै, सुन्न सेज पर जनम छिया।
नैन थकित भये, पंथ न सूझै, साँई बेदरदी सुध न लिया॥
कहत कबीर सुनो भाई साधो, हरो पीर दुख जोर किया॥

(क) हरि गोकुल की प्रीति चलाई।
सुनहु उपँगसुत मोहिं न विसरत ब्रजवासी सुखदाई॥
यह चित होत जाउँ मैं अबहीं, यहाँ नहीं मन लागत।
गोप सुग्वाल गाय बन चारत अति दुख पायो त्यागत॥
कहँ माखन–चोरी? कह जसुमति 'पूत जेब' करि प्रेम।
सूर – स्याम के बचन सहित सुनि व्यापत अपन नेम॥

अथवा

(क) अगहन दिवस घटा निसिबाढी। टूभर रैनि जाइ किमि गाढी?
अब यहि बिरह दिवस भा राती। जरौं बिरह जस दीपक बाती॥
कांपै हिया जनावै सीऊ। तौपै जाइ होइ सँग पीऊ॥
घर घर चीर रचे सब काहू। मोर रूप रंग लेटूगा नाहू॥
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहू फिरै फिरै रँग सोई॥

२ पठित अंशों के आधार पर कबीर काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। १५

अथवा

२ सूरदास के भ्रमरगीत में गोपियों के विरह वर्णन की विवेचना कीजिए। १५

३ 'बिहारी की बहुज्ञता' पर विस्तार से चर्चा कीजिए। १५

अथवा

३ 'नागमती संदेश – खण्ड' की कथा की सविस्तार चर्चा कीजिए। १५

४ टिप्पणि लिखिए : २०

(क) रहीम के दोहों की विशेषता।

अथवा

मीरा के पद।

(ख) कबीर के पदों की भाषा।

अथवा

'भ्रमरगीत सार' में उद्धव के विचार।

(ग) केशव की राम चन्द्रिका।

अथवा

रसखान के पद।

(घ) अमीर खुसरो।

अथवा

केवर प्रसंग।

५ (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : १०

(१) कबीर के गुरु का नाम क्या था?

(२) रैदास किस भक्तिधारा के कवि हैं?

(३) किस कवि को 'वाणी का डिक्टेटर' कहा गया है?

(४) अमीर खुसरो की किसी एक पहेली का उदाहरण लिखिए।

(५) मीराँ ने किस भाषा में काव्य रचना की है?

(६) भूषण की किसी दो रचना के नाम लिखो।

(७) सूरदास के भ्रमरगीत सार में 'भ्रमर' कौन हैं?

(८) 'पद्मावत' में राजा रतन सेन और पद्मावती किसके प्रतीक है?

(९) तुलसीदास की किसी दो रचनाओं के नाम लिखो।

(१०) बिहारी किसके दरबारी कवि थे?

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : ५

(१) एक थाल मोती से भरा ________ कवि की रचना है। (केशव, मतिराम, अमीर खुसरो)

(२) कबीर के पदों का संग्रह ________ नाम से प्रसिद्ध है। (कबीर बीजक, रामचन्द्रिका, कबीर पदावली)

(३) 'रामचरित मानस' में कुल ________ कांड है।
(नौ, दस, सात)

(४) रहीम का जन्म ________ में हुआ था।
(कानपुर, आग्रा, दिल्ली)

(५) ________ केशव की कृति हैं।
(रामचरित मानस, रामचंद्रिका, रामलला नहछू)

(क) सही जोड़ लिखिए : ५

	(अ)	(ब)
(१)	पिउ सौ कहेउ संदेसड़ा हैं भौंरा हे काग	रहीम।
(२)	मंगल बिंदु सुरंगु, केसर आडि गुरु	तुलसीदास।
(३)	सहज सुभाय सुभग तने गोरे	जायसी।
(४)	कैसो वरन, भेस है कैसो, केहि रस के अभिलासी	बिहारी।
(५)	चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग	सुरदास।